राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 580
मसीहा
नागराज

पागल नागराज में आपने पढ़ा कि...

अंधेरा शैतान नाम से कुख्यात बावला पागल ने स्ट्रीट लाइटें गाड़ियों की हेडलाइटें, गाड़ियां और यहां तक कि पॉवर स्टेशन तोड़कर महानगर में अंधेरा और आतंक फैलाना शुरू कर दिया। महानगर की नगरपालिका ने इस आतंक से निपटने के लिए पचास ऊंची-ऊंची स्काई लाइटें लगाने का फैसला लिया। इस दौरान नागराज, विसर्पी के भाई विषांक को महानगर लाने के लिए नागद्वीप गया हुआ था ताकि विषांक को वेदाचार्य धाम में आधुनिक शिक्षा दी जा सके। बावला नाम की मुसीबत का पता चलते ही नागराज उससे निपटने पहुंच गया। बावला की नागराज से जबरदस्त टक्कर हुई पर एक अदृश्य मददगार के निर्देशों का पालन करते हुए बावला ने अद्भुत चमत्कारी शक्तियों का प्रदर्शन किया और नागराज को परेशान कर दिया। लेकिन आखिर बावला, नागराज को काटकर गल गया और नागराज के खून में अपनी लार और उसमें मौजूद विषैले विषाणु छोड़ गया। नागराज की आंखों के सामने अक्सर अंधेरा छाने लगा और इसका कारण जानने के लिए भारती, नागराज को लकर स्नेक पार्क के डायरेक्टर डॉक्टर करुनाकरन के पास जा पहुंची। डॉक्टर करुनाकरन ने नागराज के रक्त में अंजान जीवाणु होने की पुष्टि की। भारती ने नागराज को इसका कारण बावला द्वारा काटा जाना बताया पर नागराज को विश्वास नहीं हुआ। तभी नागराज को जासूस सर्प से महानगर यूनिवर्सिटी की साइंस फैकल्टी में छात्रों को बंधक बनाए जाने की सूचना मिली। वहां जाता नागराज रास्ते में एक बार फिर चक्कर खाकर बेहोश हो गया। लेकिन फिर वह संभलकर उठा और साइंस फैकल्टी पहुंचकर अपहरणकर्ताओं से भिड़ गया। यहां नागराज की भिड़ंत सीप्रू से हुई। सीप्रू को एक बार फिर नागराज के हाथों मात खानी पड़ी। बंधक छूट गए। और राज ने नागराज का हवाला देते हुए इस पूरे घटनाक्रम को भारती न्यूज चैनेल पर सुना दिया। परंतु साइंस फैकल्टी के डीन, छात्रों और उस क्षेत्र के पुलिस थाने ने ऐसे किसी वाकए के घटने से इंकार कर दिया। भारती चैनल और नागराज की साख को बचाने के लिए राज को इस्तीफा देना पड़ा। भारती को नागराज के दिमाग पर शक होने लगा और डॉक्टर करुनाकरन ने भी इस बात की पुष्टि की। यह पूरा घटनाक्रम गौर से देख रहे नागपाशा और गुरुदेव की बांछे खिल गईं, क्योंकि बावला को भेजकर नागराज को पागल करवाने वाले ये दोनों ही थे। अब जनता उसी शख्स को पत्थर मारने पर उतारू है जो कभी था उनका...

बीच रास्ते में ड्राइवर को चक्कर आ गया तो क्या इसमें मेरी गलती है? अब खड़ी कार में बैठे-बैठे तो हम कहीं पर पहुंच नहीं सकते थे। कार किसी न किसी को तो चलानी ही थी।
चलानी थी। गिरानी नहीं थी।
आऽऽऽऽ
हमारे पास ज्यादा वक्त नहीं है। अब क्या करें? पिछले दस मिनटों में यहां से कोई गाड़ी भी तो नहीं गुजरी है!
नागराज को!
सुना नहीं! वह पागल हो गया है!
सब बकवास है! कोई नागराज की इमेज खराब करने की कोशिश कर रहा है।
नागराज!
नागराज!
क्योंकि कार को थामने वाली चट्टानों को ही थामने वाला अब कोई नहीं था-
ईऽऽऽऽऽऽ
हां! सुन तो लेगा! पता नहीं वह सदूर मांगने लोगों की पुकार को सुन कैसे लेता है?
मैं भी चिल्लाता हूं! आन तो बचानी ही है!
बच्चों के पास वक्त बहुत कम था-
अब हम नहीं बचेंगे!

घबराओ मत बच्चो!
कुछ नहीं होगा! मैं आ गया हूं!
नागराज! थैंक गॉड कि तुमने हमें बचा लिया! वर्ना पियूष तो कह रहा था!
न... न... न! मैंने कहां कुछ कहा! वो तो न्यूज वाले कह रहे थे!
कि मैं पागल हो गया हूं! हा हा हा! न्यूज वाले किसी भी चीज को थोड़ा बढ़ा-चढ़ाकर इसलिए बताते हैं ताकि दर्शक न्यूज को ध्यान से सुनें!

मुझको सिर्फ कुछ चक्कर आए थे और एक बार भ्रम भी हुआ था। और इसको न्यूज वालों ने पागलपन की संज्ञा दे दी!
तुमको पागल वही कह सकता है जो खुद पागल हो! मुझे तो ये 'पागल' शब्द सुनने में ही अच्छा नहीं लगता।
वैसे तुम्हारे ड्राइवर को क्या हुआ है?
इसको अचानक तेज बुखार हो गया है! और शायद इसी कारण इसको बेहोशी आ गई है!
ओह! तब तो पहले इसको अस्पताल पहुँचाना होगा!
पर घबराओ मत! अब शहर ज्यादा दूर नहीं है!
अब चलो! मैं तुमको शहर तक छोड़ देता हूं! अगर कोई और काम न हुआ तो तुमको घर तक भी छोड़ दूंगा।
नागराज ने अपनी आँखों को बंद होने नहीं दिया-
लेकिन इस बार आँखें खोले रखना ज्यादा खतरनाक था-
ये... ये क्या हो रहा है? मुझको सब कुछ उल्टा क्यों दिख रहा है?
घबराना मत बच्चो! मैं सब संभाल लूंगा!
तुम पर कोई आँच नहीं आएगी!
आ।ssss
क्या हुआ नागराज?
कु... कुछ नहीं बच्चो! मामूली सा सिरदर्द है बस!
मुझको फिर से चक्कर आ रहे हैं! अंधेरा छा रहा है! पर मुझे अपने आपको संभाले रखना होगा! इन बच्चों के सामने मुझे अपने आपको कमजोर साबित नहीं होने देना है!
क्योंकि खुली आँखों के आगे सब कुछ तेजी से बदलता जा रहा था-
आँच हम पर नहीं...

... तुम पर आने वाली है!
आऽऽऽऽ ह!
मैं... मैं जरूर अपने दिमाग पर से नियंत्रण खो रहा हूं! ये सच नहीं हो सकता!
ये सच नहीं हो सकता!
अगाड़ी पिछाड़ी को तू चाहे सच मान या भ्रम! सच मानकर हमसे लड़ या भ्रम मानकर हमसे पिट! दोनों ही सूरतों में तेरी मौत निश्चित है! बबला की मौत का बदला हम तुझसे लेकर ही रहेंगे!
बबला! ये मुझसे बबला की मौत का बदला लेना चाहते हैं!
यानी अगाड़ी पिछाड़ी भ्रम नहीं, सच्चाई हैं! फिर भी मैं इनको तब तक भ्रम ही मानता रहूंगा!

अब तक मुझको इस बात का पक्का यकीन न हो जाए कि ये सचमुच ऐसा कोई घातक प्राणी है जिसे मुझको मारने के लिए ही भेजा...

... आऽऽऽऽ ह!

आऽऽऽ !
टक्कर बहुत जोरदार थी! सीने में दर्द भी हो रहा है! शायद मेरी पसली में फ्रैक्चर हो गया है!

ये इस बात का सबूत है अजाड़ी खिलाड़ी भ्रम न होकर सच में हैं!

फिर भी मेरा दिल यह मान नहीं रहा है कि मैं उन बच्चों पर ही वार करूं जिनको मैंने खुद बचाया है!

भगवान करे कि यह मेरा भ्रम ही हो! यह जरूर भ्रम ही होगा! वर्ना पूरा बैकग्राउंड ही कैसे बदल जाता!

नागराज का दिल तो सच्चाई मानने के लिए तैयार नहीं था-

लेकिन उसका वक्त कुछ और ही कह रहा था-

धाऽऽऽऽऽड़ड़

तुझको खत्म करने में जरा सा भी मजा नहीं आ रहा है, नागराज! तू चुपचाप पिटता जा रहा है! अरे, कुछ कर ले तू भी कम, ताकि तुझसे लड़ने में कुछ मजा तो आए!

और अपनी जान खोकर, इस षड्यंत्र को सफल बनाने की गलती मैं कतई नहीं करूंगा!
आ हा हा हा!
अब मज़ा आया नागराज! अब तुझको खत्म करने में मज़ा आएगा! मुझे खुशी है कि अब तू कायर की मौत नहीं...
...एक बहादुर की मौत मरेगा!
पर मरेगा ज़रूर!
तुझ जैसे टीन के डिब्बे नागराज को मार नहीं सकते अनाड़ी खिलाड़ी!

ये स्टील का डिब्बा नहीं, फाइबर शीट से बना कवच है! और मेरे झाड़ मांस के नाग चाहे जितना ज़ोर लगा लें, इसको भेद नहीं सकते!
परन्तु मेरी शक्तियां तेरे टुकड़े जरूर कर देंगी!
आSSSS ह! इसके 'एग्जास्ट' से निकलता काला धुंआ मुझे घेर रहा है! कुछ भी नजर नहीं आ रहा है!
अब तो तुझे दूसरी दुनिया ही नजर आएगी! क्योंकि इस दुनिया में तो तेरी आंख अब खुलने से रही!
सर्प रस्सी ने नागराज को निराश नहीं किया-
धुंए का रुख दूसरी तरफ मुड़ गया है! मैं अपराधी शिकारी को देख सकता हूं, और अब मैं इसको दूसरा वार करने का मौका नहीं दूंगा!
आSSS ह! यह तो मेरी गर्दन धड़ से अलग कर देगा!
मैं इसको गाढ़े काले धुंए में नहीं देख सकता, लेकिन मेरे सर्प इसको जरूर ढूंढ निकालेंगे!
नागराज की कलाई पर विशेष महाफनी सर्प उभर आया! और उसका मुंह खुल गया-

और इसमें से ध्वंसक सर्प निकलकर अगाड़ी-पिछाड़ी से आ टकराए-
धड़ाम
नागराज को अब यह विश्वास हो गया था कि अगाड़ी पिछाड़ी कोई भ्रम नहीं हैं, बल्कि सच में मौजूद हैं-
लेकिन कुछ लोगों की सोच नागराज से मेल नहीं खा रही थी-
ओ गॉड! मैं खबर मिलते ही खुद भागी चली आई! लेकिन मैं जो कुछ देख रही हूं, उस पर यकीन करना मुश्किल है!
नागराज! रुको! ये तुम क्या कर रहे हो?
ये भयंकर मशीनी जीव अगाड़ी पिछाड़ी अभी सिर्फ मुझे मारना चाहता है! ...
भारती! क्या तुमको नजर नहीं आ रहा है?

और मेरे रास्ते से हट जाने के बाद ये पूरे महानगर और उसके निवासियों को तबाह और बर्बाद करेगा.
तुम पीछे हट जाओ!
होश में आओ नागराज, ये कोई भयंकर जीव नहीं बल्कि एक मामूली 'कार' है, और इसमें अगाड़ी पिछाड़ी नहीं, बल्कि दो मासूम बच्चे बैठे हुए हैं!
दीदी, हमें बचाओ!
मैंने कहा था न ये नागराज पागल हो गया है
तू ठीक कह रहा था, सॉरी भाई!
ओ गॉड! ये... ये क्या हो गया? सबकुछ सामान्य हो गया है, प्लीज विश्वास करो भारती, अभी ये कार एक भयंकर जीव में बदली हुई थी. इसमें बैठे बच्चे और इनका बेहोश ड्राइवर...
चुप रहो नागराज सैकड़ों लोग हमारी बातें सुन रहे हैं!
आओ मेरे साथ!
ओ गॉड आई कांट बिलीव इट!
न्यूज चैनल्स पर आ रही रिपोर्ट सच है!
नागराज सच में पागल हो गया है, राज बेचारा मुफ्त में मारा गया!

और फिर-

महानगर की व्यस्त जिन्दगी की उलझनें किसी को भी पागल कर सकती हैं। और हमारा प्यारा सुपर हीरो नागराज इसका नवीनतम उदाहरण है। आज उसने एक मामूली कार, चौफर ड्राइवर और कार में सवार दो मासूम बच्चों को खतरनाक बताकर उन पर ध्वंसक सर्पों से वार किया।

अगर समय पर इसकी शुभचिन्तक भारती देवी आकर उसको न रोकती तो बच्चों की जान भी जा सकती थी।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि भारती देवी उसी भारती न्यूज चैनेल की मालिक हैं जिसने नागराज के दिमाग में असंतुलन होने का खंडन किया था।

मैंने तुमको कितना समझाया था कि डॉक्टर कलकलकर को इस प्रॉब्लम का कोई मेडिकल हल निकाल लेने दो। उससे पहले तुम बाहर मत जाओ। पर तुम माने ही नहीं!

अब तो हमारे प्रतिद्वन्द्वी न्यूज चैनेल नागराज को खुलेआम पागल करार दे रहे हैं। हम ऐसा नहीं होने दे सकते। ऐसा होने से लाखों करोड़ों लोगों का विश्वास नागराज पर से उठ जाएगा।

लो। अब तुम्हारे साथ साथ मेरा नाम भी उछलने लगा है।

नहीं, भारती! ये काम जरूरत से ज्यादा खतरनाक...
कम से कम एक शब्द तो बोलो
बोलो, दादाबाबा!
ये सबकुछ बोलेगा दादा वेदाचार्य! परन्तु वक्त आने पर!
और वक्त आने तक हम क्या करेंगे?
कैसे समझेंगे इसके विचारों को?
कम्युनिकेशन्स यानी सम्प्रेषण के और भी तरीके हैं, जैसे कि...
लैपटॉप कम्प्यूटर हज़ हियर, नागराज!
थैंक यू भाई कम्प्यूटर टीचर 'सिल्लू'! अंदर आने में दिक्कत तो नहीं हुई?
बिल्कुल नहीं! तुम्हारा एक साँप जो मेरे साथ था.
इसीलिए तो मैंने सिल्लू को यहाँ पर बुलाया है
इससे अच्छा कम्प्यूटर टीचर विषांक को नहीं मिल सकता!
लीजिए वेदाचार्य! विषांक की समस्या का हल यहाँ आ गया है कम्प्यूटर! विषांक इस पर टाइप करके अपनी बात समझा सकता है!
लेकिन ये तो अभी ठीक से पढ़ना भी नहीं जानता फिर ये कम्प्यूटर भला कैसे चलायेगा?
"एक दस साल के बच्चे को सबसे अच्छा कंप्यूटर टीचर बता रहा है! अब मुझे यकीन हो गया है कि नागराज सच में पागल हो गया है!

किसी और को भी इस खबर की सच्चाई पर यकीन हो गया था-
गुरुदेव, गुरुदेव! मैंने अभी अभी टी. वी. पर समाचार सुना है! अब नागराज बच्चों को मार रहा है! और वह भी हिंसक सर्प छोड़कर.
अब तो महानगर के लोग भी उसको पागल कह रहे हैं; पर उनको दुख भी हो रहा है कि उनका सुपर हीरो पागल हो गया है.
अब तू बड़ा हो रहा है नागपाशा. एम टी वी और हल्के-बल्के जैसे म्यूजिक चैनेल देखना छोड़कर न्यूज चैनेल देखने लगा है! शाबाश!
अब तू देखेगा सारा महानगर और उसके वासियों को पागल नागराज से.
तू बनेगा उनका नया सुपर हीरो.
मे... मे... ये... ये तुम क्या कह रहे हो गुरुदेव?
ठीक कह रहा हूं चेले; हमको सिर्फ नागराज को नहीं मारना था बल्कि उसकी अच्छी छवि को भी मारना था. अब वही लोग नागराज को मारने पर तेरी जय-जयकार करेंगे, जो पहले ऐसा करने पर तेरी थू-थू करते!

"ठीक है गुरुदेव, डर तो लग रहा है, लेकिन मैं ऐसा करने के लिए तैयार हूं, पर मैं ऐसे ही आऊंगा क्या-"

हां तो सिल्कू गुरु! कुछ सफलता हाथ लगी या नहीं

तुम खुद ही देख लो नागराज, आओ! विषांक से जो भी सवाल पूछना है, बस उसको की-बोर्ड पर टाइप कर दो

"नहीं चेले, तू एक नए रूप में, नई शक्तियों के साथ जाएगा। और बस नए सुपर हीरो के अवतार में तेरा नाम होगा... हम्म्म्, सोचने दे-"

नागराज की उंगलियां की-बोर्ड पर घूमने लगीं-

और सवाल उभरने लगा-

विषांक, तुमको कैसा लग रहा है?

कमाल कर दिया गुरु सिल्कू! अब कम से कम हम विषांक के विचार तो जान सकेंगे।

लेकिन इंटरनेट में गड़बड़ी हो रही है।

मैं देखना कुछ और चाहता हूं पर ये दिखाता कुछ और है।

क्योंकि इसमें गड़बड़ तुम्हारे यहां पर आने के बाद ही शुरू हुई है इससे पहले तो यह ठीकठाक काम कर रहा था

अब इसके सारे सिगनल ठीक प्रकार हो रहे हैं।

हम्मम्,

नागराज की इलेक्ट्रॉनिक सिगनल तक पकड़ नहीं कर रहे थे-

फिर इंसानों की तो बात ही क्या करनी?

ए बुढ़िया सोने के कड़े उतार वर्ना...

आईईई

महानगर में घटने वाले हर अपराध को नागराज की हजारों आंखें देखती हैं-

और फिर उस अपराध को रोकने के लिए निकल रहे नागराज को कुछ भी नहीं रोक सकता-

रुक जाओ नागराज! कहां जा रहे हो?

नागराज सिर्फ अपराध को रोकने के लिए ही बाहर जाता है, भारती!

अपराध होता है तो नागराज, लेकिन उसे रोकने के लिए तुम मत जाओ। अपनी इस हालत में तुम अपराधियों से भी बड़ा खतरा खुद साबित हो सकते हो!

मैं पुलिस को खबर कर देती हूं। अपराध घटने की जगह बताओ।

नेकीबाड़ा की गली नं. 4। पर पुलिस को वहां पहुंचने में वक्त लग सकता है। और इस निर्दोष को जान-माल का नुकसान हो सकता है।

मुझे जाना ही होगा भारती।

नहीं नागराज तुम कहीं जाओगे तो सिर्फ डाक्टर करुणाकरन की निगरानी में।

और अगर तुम मेरी बात नहीं मानोगे तो मैं तुमको रोक दूंगी।

एक नजर मुझ पर भी मार लो.
आऽऽऽह.. फिर वही सिर में दर्द। और फिर एक इंसान का राक्षस में बदल जाना
अब मुझको फिर से यह तय करना होगा कि यह सचमुच का राक्षस है या सिर्फ मेरा भ्रम।
इसीलिए फिलहाल मैं इस राक्षस पर वही वार करूंगा जो एक आम आदमी झेल सके।
तू कुछ भी कर ले, राक्षस, पर आज नागराज तेरा और तुझे भेजने वाले का रहस्य जानकर ही रहेगा

लेकिन फिलहाल उसकी सोच ही उसके वश में नहीं थी-

बता, वर्ना तू नागपाश में छटपटाता ही रहेगा!

उस लुटेरे की किस्मत अच्छी थी-

कि-

टिट्यूं

पुलिस-फोर्स समय रहते घटनास्थल पर आ गई थी।

रुक जाओ, नागराज और अपने आपको कानून के हवाले कर दो; अब हम और ज्यादा दिनों तक तुमको खुला घूमने नहीं दे सकते

ओह, समझा; यानी उस वृद्ध महिला को लूटने की आड़ में मुझे यहां पर बुलाना एक गहरी साजिश का हिस्सा था।

अपने बोल तो दिया सर लेकिन अगर नागराज नहीं माना तो हम उसे गिरफ्तार करेंगे कैसे?

क्योंकि तू यहां पर अकेला नहीं आया है, राक्षस...

...बल्कि अपने साथियों को भी साथ लेकर आया है
लेकिन नागराज तुम सबके लिए अकेला ही काफी है!
नागराज के सोचने समझने की क्षमता गुम हो चुकी थी-

अब तो नागराज को गिरफ्तार करना ही होगा! पर हम इसे गिरफ्तार करेंगे कैसे?
गोलियां चलाते रहो, इससे नागराज को नुकसान तो नहीं पहुंचेगा पर वह असन्तुलित जरूर हो जायेगा, तब हम उसको हथकड़ियां पहना देंगे
गोलियों की रेन हा हा बौछार ने सांपों को सिपाहियों तक नहीं पहुंचने दिया और नागराज को भी धक्का देकर हवा में उड़ा दिया।
और नागराज के संभलने से पहले ही उसके हाथ और पैर लोहे के बंधनों में जकड़े जा चुके थे।
इन बंधनों से मुक्त होने में मुझे एक पल भी नहीं लगेगा
अब तुम मुझको नहीं, मैं तुमको गिरफ्तार करूंगा।
तुम शायद नागराज को जानते नहीं हो, शैतानों!
ये तो इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करके आजाद हो गया। अब इसको कैसे गिरफ्तार करें?
आह, विष फुंकार बेहोशी आ रही है।
रुक जाओ नागराज! और आत्मसमर्पण कर दो!

वरना अगली बार हमारे भारी हथियारों का निशाना तुम्हारा शरीर भी हो सकता है!
मैं रॉकेट से अटैक करता हूँ!
अगर ये लोग हवा में उड़ सकते हैं तो नागराज इनसे हवा में ही लड़ सकता है!
अरे, नागराज तो गायब हो गया.

जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो क्या करे कोई ?
कौन है हमारा ये नया रक्षक ?

मैं हूं तुम्हारा मसीहा! नाग... मेरा मतलब नागों को वश में करने वाला... मसीहा सांपों की शक्ति रखने वाला नागराज अपने ही विष की गर्मी से विक्षिप्त हो गया है, नागराज सबके लिए अब एक खतरा बन गया है!
और उस खतरे को दूर करने के लिए आ गया है तुम्हारा नया सुपर हीरो! तुम सबका रक्षक मसीहा
जय-जयकार करो मेरी और थूको नागराज पर!
ऐसा ही कहा था न गुरुदेव ने!
बड़ा बड़बोला है ये! माना कि नागराज जो कर रहा है वह गलत है, लेकिन उस पर थूकना! छी छी छी!
अरे! अभी तो ये हमको बचा रहा है न मौके पर तो गधे को बाप भी बनाना पड़ता है।
हां, फिलहाल तो ये हमारी एकमात्र उम्मीद है! करो जय जयकार!
मसीहा जिन्दाबाद,
जय हो! मसीहा की जय हो!
कितना बेकार सा नाम है!

लेकिन कुछ लोग अभी भी ऐसे थे, जिनका भरोसा नागराज पर कायम था
नागराज सही कह रहा था, विषांक। यहां पर कुछ गड़बड़ है. अब तो मुझको भी नागराज पर यकीन हो रहा है.
अब मैं वैसा ही करूंगा जैसा कि नागराज ने मुझे बताया था।
यह काम जो कुछ भी था उसको पूरा करने के लिए सिल्की और विषांक के पास वक्त बहुत कम था-
क्योंकि नागराज का प्रतिद्वन्द्वी काफी खतरनाक शक्तियों का धारक था-
मैं समझ गया! तू ही इन सभी कौतुकों का स्वरूप है मसीहा! और मुझको भ्रमजाल में फंसाकर खत्म करने का षड्यंत्र जरूर तूने ही रचा है।
और तू आज अभी और यहीं इस बात को खुद बतलाएगा कि तूने ऐसा क्यों किया?
क्या मकसद है मेरा?
मेरा मकसद महानगर की भोली भाली और निर्दोष जनता को तेरी जहरीली नागशक्तियों से बचाना है, नागराज!
मुझको पता था कि एक न एक दिन ऐसा जरूर होगा। और इस दिन के लिए मैं तुझ पर न जाने कब से नजर रखे हुए था!
जहर और जहरीले प्राणी न तो कभी इंसान के मित्र हुए हैं और न ही कभी होंगे। और वह इसलिए क्योंकि जहर कभी न कभी उनका दिमाग जरूर खराब कर देता है!

और अब मैं तुझको ऐसी कैद में बंद करूंगा जहां से तू कभी निकल नहीं पाएगा।
तू बड़ा मूर्ख है, मसीहा लगता है तुझको नागपाशा ने ट्रेनिंग दी है।
इस 'ऊर्जा बंधन' से निकलने की कोशिश मत करना नागराज! तेरी त्वचा से इसका स्पर्श होते ही ये तुझको जलाकर राख कर देगा!
अरे ये कहीं मुझको पहचान तो नहीं गया.
मैंने जरूर कुछ मूर्खता कर दी है। तू गुरुदेव की सलाह के बगैर कोई काम ठीक से क्यों नहीं कर पाता, नागपाशा?
ऊर्जा बंधन से मैं नहीं निकल सकता, पर मेरे इच्छाधारी कण तो निकल सकते हैं!
आऽऽऽह! मेरा सिर, मेरे दिमाग पर पड़ा बोझ हल्का हो रहा है! इसके निकलने ने अपना काम कर दिया है!
अब इस मसीहा से आखिरी लड़ाई लड़ने का वक्त आ गया है!
मेरी आंखों में देख, मसीहा इसमें तुझको तेरी मौत नज़र आएगी!
ये... ये मैं क्या बेवकूफी कर गया?
अब... अब मैं क्या करूं? मेरा दिमाग...
गुरुदेव ये सारा दृश्य देख रहा था-
ओफ़! अब इस मूर्ख को वैसे ही निर्देश देने पड़ेंगे जैसे मैंने उस अंधेरा की लाल बावला को दिए थे!
नागपाशा अपनी पोशाक की 'प्रतिलिपि शक्ति' का प्रयोग कर!

इस 'प्रतिलिपि कवच' में ब्रह्माण्ड की किसी भी शक्ति को रोककर अपने अंदर ही रख सकने की क्षमता है!
ठीक है!
प्रतिलिपि शक्ति
प्रतिलिपि शक्ति के आह्वान होते ही-

नागराज के शरीर पर धातु की पर्तें तेजी से
अब तू मेरी कैद में है, नागराज! अब तू निर्दोष जनता को नुकसान नहीं पहुंचा सकता!
अब मैं तुझको यहां से दूर ले जाकर ऐसी जगह पर कैद कर दूंगा जहां से सिर्फ तेरी आत्मा ही बाहर निकल पायेगी!

अरे वाह, मसीहा ने तो बड़ी आसानी से खतरनाक नागराज को कैद कर लिया
और हमारी मुसीबतों का अंत भी कर दिया क्योंकि अब वह नागराज को यहां से कहीं दूर ले जा रहा है.

क्या कहते हो? मसीहा वापस आयेगा या नहीं?
जरूर वापस आयेगा! आखिर महानगर को एक सुपर हीरो तो चाहिए न?

गुरुदेव खुशी से फूला नहीं समा रहा था-
अरे वाह, जोगमाया, नागराज को लेकर वहां आ रहा है! मैंने उसको ऐसा निर्देश तो नहीं दिया था!
शायद वह मुझको खुश करने के लिए नागराज को मेरी आंखों के सामने मारना चाहता है!

और इस यंत्र में कुछ ऐसा ज़रूर था जो मुझको अनचाहे दृश्य देखने पर मजबूर कर रहा था
बोलते रहो! एकदम सही जा रहे हो तुम! पर इस बात का एहसास तुमको कब हुआ? मैं कहां पर ग़लती कर गया?
सवाल यह था कि वह 'कुछ' था क्या और कैसे हमला कर रहा था.
इसका जवाब मुझे सौ थ्री वाले घटनाक्रम के दौरान नहीं मिल पाया क्योंकि वह स्वप्नी घटनाक्रम शहर में ही चल रहा था, और स्काई लाइट की रेंज पूरे शहर में फैली हुई थी!
पहले तो मैं भी यही सोचने लगा था कि शायद ब्लास्टर की मार मुझे पागल बना रही है! लेकिन अगर ऐसा होता तो मुझको उल्टे-सीधे दृश्य हर समय दिखाई पड़ते! जबकि ऐसा हो नहीं रहा था!
ऐसे दौरे मुझको कभी-कभी पड़ रहे थे और हर बार ये दौरे सिरदर्द के साथ ही आते थे! ज़ाहिर था कि कुछ बाहर से मेरे दिमाग पर हमला कर रहा था.
वह घटनाक्रम स्काई लाइट में बने 'ड्रीमडर्नर' की टेस्टिंग थी! तुमको 'स्नेक सिग्नल' भी 'ड्रीमडर्नर' ने भेजे थे। सच पूछो तो तुमने बेहोशी के दौरान एक ऐसा सपना देखा था जो मैंने तुमको दिखाया था!
क्योंकि 'ड्रीम डर्नर' मेरी कल्पनाओं को तुम्हारे दिमाग तक पहुंचाकर उनको साकार कर रहा था! इस चक्कर में बेचारे राज की नौकरी चली गई! पर मुझको यह पता चल गया कि 'ड्रीमडर्नर' का संपर्क तुम्हारे दिमाग से जुड़ गया है! तब मैंने दूसरा दांव चला! और इस बार तुम अपने सपने में ही नहीं बल्कि हकीकत में एक कार और उसमें बैठे बच्चों को अगाड़ी पिछाड़ी समझकर लड़े! और वह भी पूरे महानगर के सामने! ओह, माफ़ करना! तुम्हारी सुनते सुनते मैं खुद ही बोलने लगा! बताओ, मैंने कहां पर चूक कर दी?
उन बच्चों और कार को अगाड़ी पिछाड़ी बनाकर, जब तक मैं पहाड़ पर था तब तक मुझको सब ठीक नज़र आ रहा था! पर शहर में घुसते ही मुझको उल्टा-सीधा दिखने लगा, मैं समझ गया कि शहर में ही ऐसा कुछ है जो मुझे ऐसे दृश्य दिखा रहा है! और पूरे शहर में एक ही नई चीज़ थी!
स्काई लाइट!

तब तुम्हारे उन दोस्तों को भी तुम्हारे पागल होने का यकीन हो जाएगा जो अभी तक तुमको निर्दोष समझते हैं।
फिर हर जगह नागराज के नाशक मसीहा की जय-जयकार होगी!
मेरे रहते न तो तुम दोनों यहां से जा ही पाओगे और न ही ये यांत्रिक नागराज!
शैतान, नागराज
यहां से अगर कोई बाहर नहीं जाएगा...
...तो सिर्फ तुम!
अरे! यह क्या? गुरुदेव, नागपाशा और रोबॉट के साथ गायब हो रहा है!
और... और यहां से बाहर जाने के सारे रास्ते बंद हो रहे हैं
और गुरुदेव के घर मुझ पर हमला करने के लिए तैयार हो रहा है
लेकिन मेरा यहां से जल्दी से जल्दी बाहर निकलना जरूरी है

"क्योंकि अगर मैं मारा गया तो न तो महानगर को बचाने वाला कोई रहेगा और न ही दुनिया को कभी सच्चाई का पता चलेगा."
भागो, शैतानों की टोली! जहां चाहे भाग लो, पर नागराज से बचकर तुम सिर्फ दो ही जगहों पर जा सकते हो; या तो कब्रिस्तान में और या फिर श्मशान में।
अरे, होश में आ नागराज! तेरे ऊपर से नागराज का सम्मोहन टूट क्यों नहीं रहा है, संभाल अपने आपको और मार कर इस जोकर को तोड़!
और साबित कर दे अपने आपको इनका मसीहा.
आहो, नागराज, मसीहा की कैद से बचकर वापस आ गया है! अब हम नहीं बचेंगे!
घबरा मत! अगर नागराज आया है तो पीछे-पीछे मसीहा भी आता ही होगा. वह हमको असहाय नहीं छोड़ सकता!
अरे, आना है तो अभी आए न; हमारे मरने के बाद अगर वह आया भी तो उससे फायदा क्या होगा?

यांत्रिक नागराज की विध्वंसकारी शक्तियां कहर ढा रही थीं-
यही वक्त है नागपाशा... मेरा मतलब मसीहा. तेरे हाथों में यांत्रिक नागराज का रिमोट फिट है. तू उसे अपनी मर्जी से नचा सकता है;
कोई फायदा नहीं. मेरे थप्पड़ों से तेरा सम्मोहन नहीं टूट रहा है. शायद यांत्रिक नागराज के हथौड़े जैसे घूंसे खाकर तेरा सम्मोहन टूट जाए.
जा! रोक जाकर यांत्रिक नागराज को.
आऽऽऽह! कौन मार रहा है मुझको? मैं कहां पर हूं?
सम्मोहन इसी से ही टूट सकता था.
देखो मसीहा! तुमको नागराज से बचाने के लिए आ गया.

तू उसी यांत्रिक नागराज के सामने है जिसको मैंने बनाकर रखा हुआ था. इसका रिमोट मेरे हाथ में लगा है.
समझा क्या. ये मैं जानता हूं. अब बताओ कि करना क्या है?
गुड आइडिया गुरु... सॉरी.
अब तेरा अंत आ गया है, नागराज! अब नरसिंह तुझे कैदी नहीं बनाएगा, स्वर्गीय बनाएगा!
तैयार हो जाऽऽऽऽ
पहले रिमोट से इस रोबोट को 'ऑन' कर दे, और फिर विध्वंसक किरणों से इसको धुआं बना दे; कणों में बिखेर दे इसे
इसके बाद मैंने रिमोट को ही तोड़ दिया
अब... अब मैं क्या करूं गुरु?
घबरा मत. हिम्मत रख. मैं जल्दी ही कुछ करता हूं
अरे! इस बार तो नरसिंह पिट रहा है!
नागराज चाहे हीरो बने या विलेन!
पर वह रहेगा हमेशा नंबर वन.

गुरुदेव की मांद से निकलना तो शायद आसान काम था-
लेकिन अब नागराज जिस तरफ बढ़ रहा था वहां पर एक ऐसी मौत उसका इंतजार कर रही थी जिसको रोक पाना न तो उसके आविष्कारक के बस की बात थी-
और न ही उन लोगों के बस की जिन पर महानगर की सुरक्षा का जिम्मा था-
आऽऽऽह! नागराज पर गोलियों का असर नहीं होता, यह तो हमको पता था, पर अब तो इस पर रॉकेट तक बेअसर हैं!
जो इंसान - या कहो शैतान हमारी गाड़ियों को तिनकों की तरह हवा में उछाल सकता हो उसको हम भला कैसे रोकेंगे!
नागराज के सामने तो मसीहा दुम दबाकर भाग गया।
उसके दुम है? मुझे तो नहीं दिख रही है।
मुहावरा है यार, मतलब मसीहा डरकर भाग गया
डरेगा नहीं? अरे, नागराज से अगर कोई निपट सकता है तो सिर्फ... नागराज
पर नागराज से निपटने के लिए एक और नागराज आएगा कहां से?
मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं!
मम्मी कहती हैं भगवान कुछ भी दे सकते हैं।

एक दूसरा नागराज भी ... अरे देखो!
एक और नागराज आ गया
एक और नहीं, ये तो हमारा असली नागराज है.
मैं समझ गई. यानी इतने दिनों तक जो पागल नागराज की खबरें हमको मिलती रहीं वे जरूर इसी शैतान नागराज की थीं.
बिल्कुल सही. इसने किसी तरह से हमारे असली हीरो को यहां से दूर भेज दिया होगा! पर अब वह वापस आ गया है.
खत्म कर दो इस शैतान को नागराज! इसने तुम्हारे नाम को बदनाम किया है.
मैं सोच ही रहा था कि आखिर जनता को अपने खिलाफ रचे गए षड्यंत्र के बारे में कैसे बताऊंगा?

लेकिन अब लगता है कि यह काम एकदम आसान हो गया है! गुरुदेव ने नागपाशा उर्फ मसीहा के साथ यहाँ पर आकर मुझको इनको जनता के सामने लाने की मुसीबत से बचा लिया है! अब ये अपने मुँह से दुनिया वालों को अपने षड्यंत्र के बारे में बताएँगे!
पर ऐसा तभी हो पाएगा जब मैं यांत्रिक नागराज को खत्म कर पाऊँगा। और ये काम... फिलहाल तो असंभव लगता है!
गुरुदेव भी आने वाले खतरे को भाँप गया था-
नागराज जिन्दा बचकर यहाँ तक आ गया है! इससे मेरी नागपाशा को सुपर हीरो बनाने वाली योजना चौपट हो गई है!
अब मैं सिर्फ उम्मीद ही कर सकता हूं कि मेरा रोबोट नागराज को खत्म कर दे! पर मैं यहां पर रुककर ये सुहावना दृश्य देखने का खतरा मोल नहीं ले सकता!
यानी ये सारा षड्यंत्र इसका ही रचा हुआ था!
वैसे भी अब रोबोट नागराज मेरे नियंत्रण से बाहर है! मैं यहाँ रुककर कुछ भी नहीं कर सकता!
चल, नागपाशा!
नागपाशा! इसने मसीहा को नागपाशा कहा! यानी ये मसीहा कोई सुपर हीरो नहीं बल्कि सुपर विलेन नागपाशा है!
मैं बेकार में दिमाग खर्च कर रहा हूं! किसी ने ठीक ही कहा है!
कि ये पब्लिक है सब जानती है!

और फिलहाल मुझे इस पब्लिक को रोबोट नागराज से बचाना है! इस पर मेरी नाग-शक्तियां तो ज्यादा असरदार सिद्ध नहीं होंगी, परन्तु पानी इस पर असर जरूर डालेगा! क्योंकि ये रोबोट यांत्रिक है और पानी किसी भी ऐसे यंत्र में खराबी पैदा कर सकता है!
यांत्रिक नागराज पानी से नहा गया था-
और उसमें से चिंगारियां फूटने लगी थीं-
वाह! मैंने बगैर नाग शक्तियों का प्रयोग किए इस रोबोट को खत्म कर दिया!
ये रोबोट चिंगारियों के साथ टूट रहा है!
और... और हे देव कालजयी! इसके अंदर तो एक बम फिट है! और अब ये अपने आप चालू हो गया है!
गुरुदेव ने नागराज में एक घातक बना लिया था-
अब न तो सुपर हीरो नागराज बचेगा और न ही इसको सुपर हीरो कहने वाले महानगर वासी!
ध्यान से देख चेले! इस यान का सबसे बड़ा धमाका अब होने ही वाला है!
और गुरुदेव का बनाया हुआ हर विस्फोटक न्यूक्लियर बम से कम घातक नहीं होता है!
अगर ये बम फटा तो कम से कम आधा महानगर तो नष्ट हो जाएगा! और ये बात भी पक्की है कि इस बम को गुरु-देव के अलावा और कोई निष्क्रिय नहीं कर सकता!
अब हर कोशिश बेकार थी-
मैंने सब कुछ कर लिया! बम निष्क्रिय नहीं हो रहा है!

कुछ ही सेकंड बचे हैं। अब एक ही रास्ता है। मैं इस रोबोट को लेकर समुद्र के अंदर जा रहा हूं। तबाही तो वहां पर भी मचेगी, पर कम से कम वह तबाही शहर में हुई तबाही के मुकाबले कम होगी।
टिक टॉक टिक टॉक टिक
पर तभी-
अरे! रोबोट फिर से हरकत कर रहा है। पर कैसे?
टिक टॉक
टिक टॉक
बस निष्क्रिय हो गया है!
और रोबोट अपने आप नीचे गिर रहा है!
पर ये हुआ...
...कैसे?
मिन्नू, विषांक!
यस नागराज!
तो ये सब तुमने किया! पर कैसे?
ये किया मैंने! पर ये आइडिया मेरे चेले ने दिया था!

कैसा आइडिया?

हम जब हंगामे की खबर पाकर यहां पहुंचे... मेरा मतलब जब विषांक घसीटकर मुझे यहां लाया तब रोबोट टूट चुका था और बम फटने वाला था!

तब विषांक के आइडिए पर काम करते हुए मैंने कंप्यूटर का कनेक्शन रोबोट के दिमाग से जोड़ा और उस सर्किट को ढूंढा जिसने बम को एक्टीवेट किया था!

और फिर एक छोटे से सॉफ्टवेयर प्रोग्राम को लिखकर उस सर्किट को बंद कर दिया!

और सर्किट बंद होते ही बम का चलना भी रुक गया!

वाह! और ये सब तुमको विषांक ने बताया?

हूम! सोच तो मैं भी रहा था! पर विषांक ने ये आइडिया पहले टाइप कर दिया!

आखिर ये चेला है तो मेरा ही न!

ओफ्फ! मेरी योजना सफल होने ही वाली थी! नागराज मरने ही वाला था! महानगर भी तबाही के कगार पर था! पर इन दोनों बच्चों ने... ओफ्फ! आज से ये दोनों भी मेरे इतने ही बड़े दुश्मन हैं जितना कि नागराज!

इस कहानी का भी वही अंत हुआ! गुरुदेव की चीखो-पुकार से! ये योजना बनाकर फ्लॉप होते हैं! और मैं बनाऊं योजना बनाएं!

और नागराज के खून के नमूने में मिले कीटाणु, कीटाणु न होकर मामूली कण थे! और उनसे नागराज को किसी किस्म का खतरा नहीं है!

बिल्कुल!

और ये बात नागराज ने मुझे खुद बताई है!

आप ही बताओ, फिर हम दोनों में फर्क क्या है?

कुछ नहीं न?

इस बार हम आपका यकीन करते हैं राज जी, और पहले आप पर शक करने के लिए माफी भी मांगते हैं!

मैं भी नागराज!

मुझे अपने से ज्यादा तुम पर भरोसा करना चाहिए! हमेशा!

समाप्त